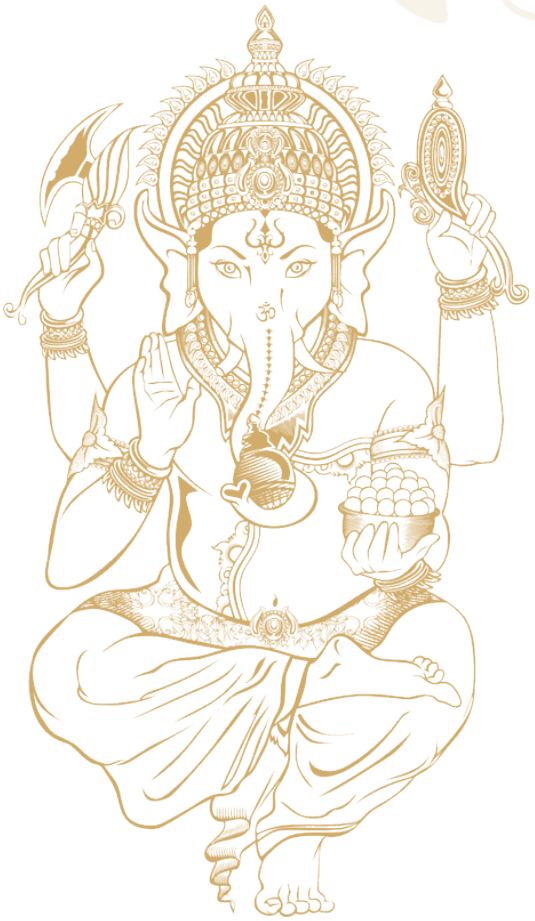

Ashutosh Rupal

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120958504

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
26-27/01/2000	जन्म तिथि	26/02/1999
बुध-गुरुवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 04:15:00	जन्म समय	16:15:00 घंटे
घटी 52:35:38	जन्म समय(घटी)	23:31:59 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Gurgaon
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:27:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:01:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:56 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:12:44	सूर्योदय	06:50:51
17:55:26	सूर्यास्त	18:19:23
23:51:16	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:33

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 5वर्ष 3मा 19दि	27:24:51	वृश्चि	लग्न	कर्क	17:33:33	गुरु 8वर्ष 1मा 13दि
गुरु	12:25:55	मक	सूर्य	कुंभ	13:32:29	शनि
18/05/2023	26:33:45	कन्या	चंद्र	मिथु	26:34:00	11/04/2007
18/05/2039	23:48:06	कुंभ	मंगल	तुला	16:05:50	11/04/2026
गुरु 05/07/2025	19:52:27	मक	बुध	मीन	00:20:47	शनि 14/04/2010
शनि 16/01/2028	03:27:44	मेष	गुरु	मीन	09:10:17	बुध 22/12/2012
बुध 23/04/2030	08:44:49	धनु	शुक्र	मीन	11:47:46	केतु 31/01/2014
केतु 30/03/2031	16:38:15	मेष	शनि	मेष	05:54:29	शुक्र 01/04/2017
शुक्र 28/11/2033	09:49:38	कर्क व	राहु	कर्क	28:17:19	सूर्य 14/03/2018
सूर्य 16/09/2034	09:49:38	मक व	केतु	मक	28:17:19	चन्द्र 14/10/2019
चन्द्र 16/01/2036	22:20:39	मक	हर्ष	मक	20:18:40	मंगल 22/11/2020
मंगल 22/12/2036	10:17:12	मक	नेप	मक	09:17:03	राहु 28/09/2023
राहु 18/05/2039	18:23:23	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	16:35:09	गुरु 11/04/2026

लग्न-चलित

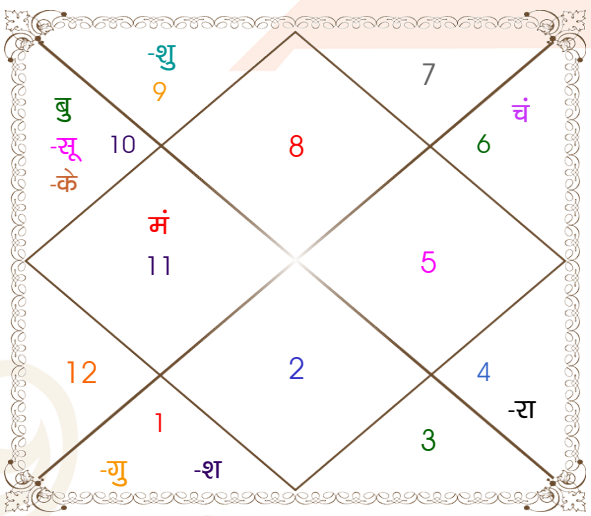

लग्न-चलित

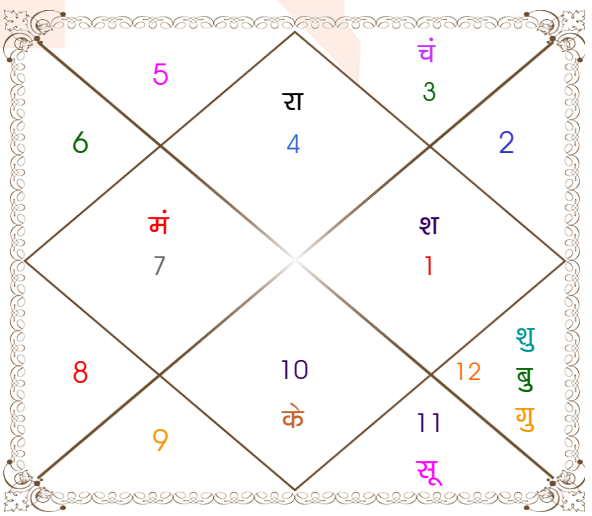

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	मार्जार	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	मिथुन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.50		

ीनजवी का वर्ग मूषक है तथा Rupal का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है। अष्टकूट मिलान के अनुसार ीनजवी और Rupal का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

ीनजवी मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

Rupal मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि ीनजवी कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ीनजवी तथा Rupal में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।